



DR. SUSHOVAN BANERJEE

Dr. Sushovan Banerjee is a veteran General Practitioner from Bolpur in West Bengal. Popularly known as Ek Takar Daktar (One Rupee Doctor), he has been treating patients at a fee of Rupee 1 for the past 57 years counting, practising from his own setup `Nivedita Seva Sadan' at Bolpur in Birbhum District of West Bengal.

2. Born on 30th September, 1939, Dr. Banerjee started his illustrious academic career as a student of Patha Bhavana (Santiniketan Ashrama Vidyalaya) founded by Shri Rabindranath Tagore, where he developed love for nature and service to mankind. He received his MBBS Degree from RG Kar Medical College, Kolkata in 1963 and Diploma in Clinical Pathology (Hematology) from University of Calcutta in 1969, obtaining the University Gold Medal. Dr. Banerjee also earned medical degrees like MFPA from the United Kingdom and Diploma in Gastrointestinal Diseases from Boston University, United States of America.

3. Dr. Banerjee served for 18 years as Medical Officer In-Charge, University Hospital, Visva-Bharati; and for 3 years as Senior Registrar, National Health Service, England. He has worked as Examiner of Red Cross, England and as Visiting Lecturer at Visva-Bharati for several years.

4. An able administrator, Dr. Banerjee has served for 7 terms spanning 21 years, as a member of the Executive Council and Court of Visva-Bharati, the first Central University of independent India, nominated as the Paridarshaka (Visitor) by the Hon'ble President of India and as the Acharya (Chancellor) by the Prime Minister of India. He was also elected as a member of the State Legislative Assembly, West Bengal in 1984.

5. Dr. Banerjee has received abundant love and blessings from the poor and the needy in the villages of Birbhum and adjoining areas. Even after acquiring foreign medical degrees, he has left many lucrative professional offers and set an example by staying back in his native place Bolpur and devoting his life to the service of mankind, especially the poor tribal people who have limited access to healthcare. The ailing octogenarian continues to treat 100-200 patients daily at his clinic. He upholds the ethos of a Doctor by serving and saving the poor masses of rural Bengal.

6. Dr. Banerjee is the recipient of the 'Best Citizen of India' Award by the East-West Friendship Society in 2011. He has been conferred the 'Lifetime Achievement Award' by the Indian Medical Association, Bolpur Chapter in 2018 and the 'Star of Healthcare Award' by AMRI Hospitals in 2019.





डॉ. सुशोभन बनर्जी

डॉ. सुशोभन बनर्जी पश्चिम बंगाल के बोलपुर के एक अनुभवी जनरल प्रैक्टिशनर हैं। एक टकार डाकटर (एक रुपये के डॉक्टर) के रूप में लोकप्रिय डॉ. बनर्जी पिछले 57 वर्षों से एक रुपये की फीस में रोगियों का इलाज कर रहे हैं। वह, पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर के अपने क्लिनिक 'निवेदिता सेवा सदन' में चिकित्सा कार्य करते हैं।

2. 30 सितंबर, 1939 को जन्मे डॉ. बनर्जी ने श्री रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित पाठ भवन (शांतिनिकेतन आश्रम विद्यालय) के छात्र के रूप में अपने शानदार शैक्षिक जीवन की शुरुआत की। यहां उनके मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और मानव के प्रति सेवा भाव पैदा हुआ। उन्होंने 1963 में आरजी कार मेडिकल कॉलेज, कोलकाता से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की और 1969 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से क्लिनिकल पैथोलॉजी (हेमटोलॉजी) में यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल के साथ डिप्लोमा प्राप्त किया। उन्होंने यूनाइटेड किंग्डम से एमएफपीए की मेडिकल डिग्री और अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों में डिप्लोमा भी हासिल किया।

3. डॉ. बनर्जी ने विश्वविद्यालय अस्पताल, विश्व–भारती में 18 वर्षों तक चिकित्सा अधिकारी प्रभारी; और 3 साल के लिए वरिष्ठ रजिस्ट्रार के रूप में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, इंग्लैंड के लिए कार्य किया। उन्होंने एक्जामिनर ऑफ रेड क्रॉस, इंग्लैंड और कई वर्षों तक विश्व–भारती में विजिटिंग लेक्चरर के तौर पर कार्य किया है।

4. एक सक्षम प्रशासक, डॉ. बनर्जी को 21 वर्षों में 7 कार्यकाल अवधियों के दौरान स्वतंत्र भारत के पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वभारती की कार्यकारी परिषद का सदस्य और कोर्ट ऑफ विश्वभारती में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा परिदर्शक (विजिटर) और भारत के प्रधान मंत्री द्वारा आचार्य (चांसलर) के रूप में नामित किया गया। उन्हें 1984 में पश्चिम बंगाल राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप में भी चुना गया था।

5. डॉ. बनर्जी को बीरभूम और आसपास के गांवों में गरीबों और जरूरतमंदों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिला है। विदेशी चिकित्सा उपाधियां को प्राप्त करने के बाद भी, उन्होंने कई लाभप्रद पेशेवर प्रस्ताव छोड़ दिए हैं और अपने मूल स्थान बोलपुर में रहकर मानव सेवा, विशेषकर स्वास्थ्य सेवा से वंचित गरीब आदिवासी लोगों की सेवा के प्रति अपना जीवन समर्पित करके एक मिसाल कायम की है। अस्सी वर्षीय बीमार डॉक्टर अपने क्लिनिक में रोजाना 100 से 200 मरीजों का इलाज करते हैं। वह ग्रामीण बंगाल के गरीब लोगों की सेवा और रोगों से उनकी रक्षा करके एक डॉक्टर के कर्तव्य का पूरी तरह पालन करते हैं।

6. डॉ. बनर्जी को 2011 में ईस्ट–वेस्ट फ्रेंडशिप सोसाइटी द्वारा 'भारत के सर्वश्रेष्ठ नागरिक' का पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें 2018 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, बोलपुर चैप्टर द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' और 2019 में एएमआरआई हॉस्पिट्ल्स द्वारा 'स्टार ऑफ हेल्थकेयर अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।